प्रबंधन भवन में स्पोकन ट्यूटोरियल के यूनिट कोऑर्डिनेटरों के लिए कार्यशाला आयोजित

बदल गयी है साक्षर होने की परिभाषा: वीसी

दरभंगा | निज प्रतिनिधि

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सुरेन्द्र कुमार सिह ने कहा है कि साक्षर होने की परिभाषा बदल गयी है। अब जिसका ज्ञान डिजिटल युक्त होगा वही साक्षर कहलाएगा।

वे मंगलवार को प्रबंधन भवन में स्पोकेन ट्योटोरियल के यूनिट कोडिनेटरों के लिए आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए उक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि फ्री ऑनलाइन पाठ्यक्रम छात्रों के लिए कापफी लाभप्रद है। यह आईआईटी, बम्बई तथा भारत सरकार के मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम है।

यह पाठ्यक्रम कालेज के परिपेक्ष्य में उपयोगी होगा। उन्होंने समन्वयकों से अपील की है कि छात्रों की आवशयकतानुसार पाठ्यक्रम का चयन करें। इस योजना से जुड़ने से छात्रों को कापफी लाभ होगा।

यह योजना छात्रों के भविष्य के निर्माण में काफी उपयोगी होगा। किसी भी पाठ्यक्रम के लिए बीस छात्रों का पंजीकरण कराना आवशयक है। छात्रों को पाठ्यवस्तु ई-मेल पर ही प्राप्त हो

मंगलवार को ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के प्रबंधन भवन में फ्री ऑनलाइन कोर्स के उद्घाटन मौके पर उपस्थित लोग और समारोह को संबांधित करते कुलपति।

डिजिटल ज्ञान जरूरी

- डिजिटल ज्ञान वाले को ही कहा जायेगा साक्षर
- फ्री आन लाइन पाठ्यक्रम छात्रों के लिए है लाभप्रद

उन्होंने कहा कि युग काफी बदल गया है। यहां तक कि साक्षर की भी परिभाषा बदल गयी है। साक्षर के लिए अन्य ज्ञान के साथ-साथ कम्प्यूटर का ज्ञान आवशयक हो गया है। वर्ग अध्यापन तो आवशयक है ही, साथ ही साथ तकनीक का ज्ञान भी आवशयक है। ई-टेक्निक काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि नयी तकनीक को प्रारम्भ करने में काफी कठिनाई होती है।

उन्होंने कहा कि पहले प्रयास को गम्भीरता से करनी चाहिए। गम्भीरता से किया गया प्रयास सार्थक होता है।इस

'स्वयं' पोर्टल का उपयोग कर लाभ उठाएं छात्र

प्रतिकुलपति प्रो. जय गोपाल ने कहा कि छात्रा 'स्वयं' पोर्टल का उपयोग कर अपने ज्ञान को बढा सकते हैं। स्वयं यूजीसी का पोर्टल है। इस पर छात्रा ई-ट्यूटोरियल के माध्यम से अध्ययन कर सकते हैं। ई-टेक्स्ट से पाठ्यसामग्री डाउनलोड कर सकते हैं। ई-डिस्कस से अपनी समस्या का समाधन कर सकते हैं। यह डिजिटल टेक्नालोजी इन हाईपर एजुकेशन में मील का पत्थर साबित होगा। पंजीकरण कराने वाले छात्र आनलाइन परीक्षा दे प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकते हैं। प्रमाणपत्र विधि अनुदान आयोग द्वारा सीधे निर्गत होगा। यह 'स्वयं' पोर्टल शिक्षकों की भी कमी को दूर करेगा।

एम नेहाल ने स्पोकेन टयूटोरियल के बारे में जानकारी दी। विकास पदाधिकारी डा केके साहु ने कहा कि यह समानान्तर शिक्षा व्यवस्था है। आगत अतिथि का स्वागत कुलसचिव डा मुस्तपफा कलाम अंसारी ने किया। मंच संचालन डा मुनेश्वर वाणिज्य विभागायक्ष प्रो वीवीएल दास ने किया।

दूसरे तकनीकि सत्र में विदेशी भाषा संस्थान के निदेशक प्रो प्रेम मोहन मिश्रा ने इस कोर्स के सारे पहलुओं की जानकारी दी। महिला प्रोद्यौगिकी संस्थान के प्राध्यापक इंजीनियर संतोष कुमार ने पावर प्वांट प्रजेन्टेशन कर आन्ध्र लाईन कोर्स के लिए को-आर्डिनेटर का रजिस्ट्रेशन तथा छात्रों के डाटा स्पोकेन टूटोरियल के पोर्टल पर अपलोड करने की प्रक्रिया को दिखाया। डॉ. ध्रुव कुमार ,पूर्व विकास पदाधिकारी ने अपने धन्यवाद ज्ञापन के साथ-साथ स्नाताकोत्तर विभाग के छात्रों के

amazon.in
REDMI 4 (BLACK, 32 GB)
See price
prime
GODREJ GWC 18 UGZ 3 ...
Rs. 23,900.00
(details + delivery)
WHIRLPOOL 1.5 TON 3 ...
Rs. 24,490.00
(details + delivery)

ऑनलाइन पाठ्यक्रम से छात्रों को लाभ

यूजीसी पोटल का उपयोग कर ज्ञान बढ़ाएं छात्र

पर कार्यशाला की गई आयोजित

दरभंगा, संस : साक्षर होने की परिभाषा बदल गई है। अब जिसका ज्ञान डिजिटल युक्त होगा वहीं साक्षर कहलाएगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरेंद्र कुमार सिंह ने मंगलवार को स्पोकेन ट्यूटोरियल के यूनिट को-ऑर्डिनेटर की बैठक को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि फ्री ऑनलाइन पाठ्यक्रम छात्रों के लिए काफी लाभप्रद है। यह आइआइटी मुंबई तथा भारत सरकार के मानव संसाधन मंत्रालय की ओर से संचालित पाठ्यक्रम है। यह पाठ्यक्रम कॉलेज के परिपेक्ष्य में उपयोगी होगा। उन्होंने समन्वयकों से अपील की कि छात्रों की आवश्यकतानुसार पाठ्यक्रम का चयन करें। इस योजना से जुड़ने से छात्रों को काफी लाभ होगा। यह योजना छात्रों के भविष्य के निर्माण में काफी उपयोगी होगा। किसी भी पाठ्यक्रम के लिए 20 छात्रों का पंजीकरण कराना आवश्यक है। छात्रों को पाठ्यवस्तु ई-मेल पर ही प्राप्त हो जाएगा।

साथ ही परीक्षा ऑनलाइन देनी होगी। युग काफी बदल गया है। साक्षर के लिए अन्य ज्ञान के साथ-साथ कंप्यूटर का ज्ञान आवश्यक हो गया है। वर्ग में अध्यापन तो आवश्यक है ही। साथ ही साथ तकनीकी ज्ञान आवश्यक है। ई-टेक्निक आज की परिस्थिति में छात्रों के लिए काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि नई तकनीकी को प्रारंभ करने में काफी कठिनाई होती है। पहला प्रयास को गंभीरता से करनी चाहिए। गंभीरता से किया गया प्रयास सार्थक होता है। प्रतिकुलपति प्रो. जय गोपाल ने कहा कि छात्र 'स्वयं' पोटल का उपयोग कर अपने ज्ञान को बढ़ा सकते हैं। यूजीसी का पोटल है। इस पर छात्रा ई-ट्यूटोरियल के माध्यम से अध्ययन कर सकते हैं। ई-टेक्सट से पाठ्य सामग्री डाउनलोड कर सकते हैं। ई-डिस्कस से अपनी समस्या का समाधन कर सकते हैं। इसमें पंजीकरण कराने वाले छात्र ऑनलाइन परीक्षा देकर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं। यह प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के माध्यम से सीधे निर्गत होगा। इस अवसर पर डब्ल्यूआइटी के निदेशक प्रो. एम नेहाल ने स्पोकेन ट्यूटोरियल के बारे में जानकारी दी। विकास पदाधिकारी डॉ. केके साहु ने कहा कि यह समानांतर शिक्षा व्यवस्था है। अतिथियों का स्वागत कुलसचिव मुस्तफा कलाम अंसारी ने किया। संचालन सीसीडीसी डॉ. मुनेश्वर यादव व धन्यवाद ज्ञापन वाणिज्य विभागाध्यक्ष प्रो. बीबीएल दास ने किया। दूसरे तकनीकी सत्र में विदेशी भाषा संस्थान के निदेशक प्रो. प्रेम मोहन मिश्रा ने इस कोर्स की विभिन्न पहलूओं की जानकारी दी। महिला प्रोद्यौगिकी संस्थान के प्राध्यापक इंजीनियर संतोष कुमार ने पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन कर ऑनलाइन कोर्स के लिए को-आर्डिनेटर का रजिस्ट्रेशन तथा छात्रों के डाटा स्पॉकेन ट्यूटोरियल के पोर्टल पर अपलोड करने की प्रक्रिया को दिखाया। इस सत्र में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. ध्रुव कुमार ने किया।

कार्यशाल में मंचासीन कुलपति, उपस्थित शिक्षक व अन्य ● जागरण

बीटेक के कई सेमेस्टर का फॉर्म भरने की तिथि तय

दरभंगा, संस : ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय में बीटेक के कई सेमेस्टरों के छात्रों का परीक्षा प्रपत्र भरने की तिथि निर्धारित कर दी गई है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. कुलानंद यादव ने बताया कि बीटेक दूसरे सेमेस्टर सत्र 2016-20 व बीटेक पहला सेमेस्टर समर सत्र 2016-20 तथा बीटेक सातवां सेमेस्टर सत्र 2013-17 का परीक्षा प्रपत्र भरने की तिथि तय कर दी गई है। छात्र बिना विलंब शुल्क के 19 अगस्त तक वह सामान्य विलंब शुल्क के साथ 23 अगस्त तक परीक्षा प्रपत्र भर सकते हैं।

दो रजिस्ट्रेशन नंबर मिलने से बढ़ी परेशानी

दरभंगा, संस : ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के डिग्री वन सत्र 2015-16 के छात्रों को दो-दो रजिस्ट्रेशन मिलने से परेशानी बढ़ गई है। छात्रों को मूल अंक पत्र लेने के समय में इस बात की जानकारी मिली है। इसके बाद से छात्रों की परेशानी बढ़ने लगी है। हालांकि, विवि के परीक्षा विभाग को इस बात से कोई हड़बड़ी नहीं है। छात्रों को प्रवेश पत्र व नेट से मिलने वाले अंक पत्र पर जो रजिस्ट्रेशन नंबर अंकित है वह मूल अंक पत्र से भिन्न है। इससे आगे चलकर खासकर बाहर पढ़ने की इच्छा रखने वाले छात्रों को परेशानी हो सकती है। क्योंकि, डिग्री वन के प्रवेश पत्र को बदलना अब विवि के लिए असंभव है। वह भी ऐसे समय में जब इस सत्र के छात्रों को डिग्री टू का परीक्षा प्रपत्र भरने की तिथि तय कर दी गई है। अगर डिग्री वन के प्रवेश पत्र में गड़बड़ी को नहीं सुधारा गया तो भी परेशानी होगी। ऐसी स्थिति में इस बात की जानकारी देते ही परीक्षा नियंत्रक डॉ. कुलानंद यादव चौक गए। उन्होंने कहा कि ऐसी बात नहीं हो सकती है। यहां ध्यान देने की बात यह है कि सारे के सारे छात्रों के रजिस्ट्रेशन में गड़बड़ी हो गई फिर भी कोई इसको पकड़ नहीं सके। बावजूद जब यह बात की खुलासा हो चुकी है तो ऐसे में क्या होगा के सवाल पर डॉ. यादव कहते हैं सब सुधार हो जाएगा।

पंजीयन प्रपत्र ले जाने का कॉलेजों को निर्देश

दरभंगा, संस : ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय में स्नातक पहला खंड सत्र 2016-17 का पंजीयन कार्ड उपलब्ध हो चुका है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. कुलानंद यादव ने यह जानकारी देते हुए मंगलवार को बताया कि सभी कॉलेजों के प्रधानाचार्य को निर्देश दिया गया है कि वह अपना विशेष दूत से पंजीयन कार्ड शीघ्र मंगवा लें। इसके बाद डिग्री वन का परीक्षा प्रपत्र भरने की तिथि निर्धारित की जाएगी।

यह भी देखें

Winter has come. Start your free trial on Hotstar Premium.
Hotstar

The Ultimate Cheap Flights Finder
Save70

You will speak a new language in 3 weeks thanks to this app made in Germany
Babbel

Find Effective Solutions for all Your Hair Ailments
Skin & Hair Academy